CS (MAIN) Exam:2016

M–ESC–CU–MTL

MAITHILI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI (Devanagari script) unless otherwise directed in the question.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

मैथिली

(अनिवार्य)

समय : 3 घंटा

पूर्णांक : 300

प्रश्नपत्र विषयक विशेष निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व देल गेल निर्देशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ू

सभ प्रश्न अनिवार्य अछि।

प्रत्येक प्रश्न/भागक अंक ओकरा सामने अंकित अछि।

उत्तर **मैथिली** (देवनागरी लिपि) मे लिखू, जाधरि कि प्रश्नमे कोनो दोसर निर्देश नहि हो।

प्रश्नमे शब्दक संख्याक ध्यान राखू, अधिक वा कम शब्दमे उत्तर लिखला पर अंक काटल जा सकैत अछि।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिकामे रिक्त छोड़ल स्थानकेँ स्पष्ट रूपसँ अवश्य काटि दी।

1. निम्नलिखित कोनो **एक** विषय पर लगभग *600* शब्दमे निबन्ध लिखू : 100

(a) संस्कृति किऐक महत्त्वपूर्ण अछि?

(b) स्मार्ट नगर आ अनस्मार्ट नागरिक

(c) न्यायिक सक्रियता (activism) बनाम न्यायिक असीमितता (overreach)

(d) स्कूली बच्चामे धरोहरक (विरासत) प्रति श्रद्धा

2. निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओकर अन्तमे देल गेल प्रश्नक सटीक एवं स्पष्ट उत्तर अपना शब्दमे लिखू : 12×5=60

ई कहल जाइत छैक जे स्त्री आधा आकाश छापि लेलक अछि। एहिमे संशोधन कए एना कहि सकैत छी जे ओ एहिसँ अधिक स्थानक अधिकारी अछि। तथापि, प्रत्येक देशक विभिन्न कालक इतिहासमे, संस्कृति ओ परम्परा, क्षेत्र, धर्म, जाति, वर्ग, श्रेणी, नस्ल, वर्ण, वैविध्यपूर्ण अतीत एवं वर्तमानमे सेहो स्त्रीक जीवनकेँ प्रत्येक क्षेत्रमे पुरुषसँ कम महत्त्व देल गेलैक अछि। ओकरा संग निरन्तर भोजन, कार्य, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विकासमे प्रतिभागी होयबाक अवसर, नेतृत्व आ अपन महत्त्वाकांक्षाकेँ साकार करबाक अवसर देबामे भेद-भाव कयल जाइत रहलैक अछि। ओ सही अर्थमे विश्वक सभसँ विशाल 'अल्पसंख्यक' कहल जा सकैत छथि।

पितृसत्तात्मक व्यवस्था स्त्रीकेँ एकटा व्यक्तिक रूपमे नहि देखैत छैक, जकर अपन निज पहचान होइक ओ एकटा व्यक्तिक रूपमे, सम्पूर्णतामे सेहो नहि देखल जाइत अछि। ओकर अपन सम्मान, स्वायत्तता छैक, ओ सम्मानक अधिकारिणी अछि आ सामाजिक व्यवस्थामे, कानूनमे एवं संस्थामे ओकरा समान अधिकार देल गेल छैक। एहि सभक अतिरिक्त ओ पुरुषक एकमात्र ओहन औजारक रूपमे देखल जाइत अछि, बूझल-भानल जाइत अछि जे पीढ़ीकेँ आगाँ बढ़ा सकय, सेवा-भाव राखय, यौनतृप्तिक पूर्तिक साधन आ परिवारक सामान्य सम्पन्नताक वाहक रूपमे मान्य अछि। स्त्रीक सांस्कृतिक स्वीकृति केवल एहि रूपमे छैक जे ओ कोनो पुरुषक पुत्री, पत्नी अथवा माय अछि। एकर अतिरिक्त ओकर अन्य कोनो पहचान नहि छैक आ निज पहचान, अस्तित्व नहि रहबाक कारणेँ ओकरा हेय दृष्टिसँ देखल जाइत छैक।

एसकरि स्त्री एहि वृत्त/परिधिसँ बाहर बुझाइत छथि। एहि श्रेणीमे ओ सभ सम्मिलित छथि जे सांस्कृतिक रूपसँ स्वीकार्य विवाहयोग्य अवस्थाक छथि—मुदा एखन धरि अविवाहित छथि अथवा जे विधवा छथि, तलाक दए देल गेल छैक या लए नेने अछि। पुरुषक सुरक्षा परिधिसँ बाहर रहनिहारि स्त्रीकेँ समाज सम्मानक दृष्टिसँ नहि देखैत छैक। ई असम्मान तखन और बढ़ि जाइत छैक जखन ओ पुरुषक सुरक्षा वृत्तकेँ अस्वीकारि दैत छैक अथवा ओ अपन जीवनसंगीकेँ दुघर्टना अथवा बीमारीक कारण गमा चुकल छैक। पुरुषकेँ सर्वाधिक द्वेष ओहि स्त्रीसँ होइत छैक जे ने मात्र एसकरि रहैत अछि आ ने पुरुषक छाहरिसँ भिन्न अपन अस्मिताक संग जीवन बितबैत अछि।

सर्वाधिक विकसित देशक महिला सेहो 60–80 प्रतिशत धरि भोजन बनबैत छथि और विश्वक आधा भोज्य पदार्थक उत्पादनकर्त्री होयबाक श्रेय सेहो हुनके छनि। सांस्कृतिक रूपसँ सेहो यदि देखल जाय तँ अधिकांश घरमे स्त्रीए भोजन-प्रदाता अछि। तथापि भारतवर्षक सामाजिक-सांस्कृतिक परम्परा ई सुनिश्चित करैत छैक जे स्त्री कम मात्रामे भोजन ग्रहण करैत छथि आ प्रायः एहनो भ' जाइछ जे स्त्रीक लेल भोजन बचिते नहि छैक। एहन घर जतय पर्याप्त मात्रामे भोजन त' छैक, मुदा ओतय सेहो स्त्रीकेँ पौष्टिक भोजन नहि भेटैत छैक। एसकरि स्त्री सेहो सामाजिक बन्धन आ अतिरिक्त भेद-भावक कारणेँ एहि श्रेणीमे आबि जाइत अछि, जखन कि ओ एसकरि अपन बल पर दुनियाँमे संघर्ष कए रहलि अछि।

भारत ओहन देशमेसँ एक अछि, जतय पुरुषक तुलनामे स्त्रीक संख्या कम छैक। देशक जनसंख्यामे ओकर प्रतिशत विगत शताब्दीसँ निरन्तर कम भए रहल छैक। 2001 क जनगणनासँ ई ज्ञात भेलैक अछि जे प्रत्येक 1000 पुरुषक समानान्तर 933 स्त्री छैक। यदि पुरुष जकाँ स्त्रियोकेँ समान जीवन-यापनक अवसर प्राप्त होइक, संग-संग ओकर स्वास्थ्य और पोषणक ध्यान राखल जाइक त' ई संभावना बढ़ि जयतैक जे पुरुष और स्त्रीक संख्या समान भए जायत। सम्प्रति 2001 मे पुरुषक अपेक्षया स्त्री 3 करोड़ 50 लाख कम रहैक। ई अनुपात 2011 क तुलनामे किञ्चित् सुधरलैक, अर्थात् 933 क अपेक्षाकृत 940 भ' गेलैक। एक पैघ चिन्ताक विषय ई अछि जे 2001 मे 6 वर्ष धरिक नेनामे बालकक संख्या बालिकाक तुलनामे, जन्मदर 927 पर आबि गेलैक आ, 2011 मे पुनः कम भ' कए 914 रहि गेलैक। एहि आँकड़ासँ ज्ञात होइत अछि जे सामाजिक और सांस्कृतिक विसंगति एवं विकसित तकनीकक कारणेँ निरन्तर स्त्रीक जीवन जीबाक अवसर न्यून होइत जा रहल छैक। कहल जा सकैत अछि जे भारतीय समाजमे नियमित रूपसँ लाखक लाख कन्या एवं स्त्रीकेँ मारल जा रहल छैक।

(a) जनगणनाक आँकड़ा बालिका आ स्त्रीक सम्बन्धमे की संदेश दैत अछि?

(b) भोजन एवं स्त्रीक सन्दर्भमे प्राप्त होमए वला असमानताक विडम्बना की अछि?

(c) "ई तर्क कएल जा सकैत अछि जे स्त्रीक आधासँ अधिक आकाशमे छाएल छथि।" एहि कथनसँ लेखकक की अभिप्राय छनि?

(d) पितृसत्तात्मक समाजमे कोना स्त्री मात्र औजारक रूपमे रही गेल अछि?

(e) लेखकक अनुसार एसकरि स्त्रीकेँ अपना समाजमे कोना आसानीसँ क्षति पहुँचाओल जा सकैत छैक?

3. निम्नलिखित अनुच्छेदक सारांश लगभग एक-तिहाई शब्दमे लिखू। एकर शीर्षकक उल्लेख करब आवश्यक नहि अछि। सारांश अपनहि शब्दमे लिखू : 60

हमरा सभमेसँ अधिकांश लोक एहि बातसँ सहमत होएताह जे विश्वसनीय होएब प्रशंसनीय अछि। हम अपन परिवारक प्रति, मित्रक प्रति तथा अपना देशक प्रति विश्वसनीयताक अनुशंसा करैत छी। वास्तवमे एहि सभ व्यक्तिगत लोक तथा समूहक प्रति हमरा वफ़ादार होएबाको चाही जकरा प्रति हम आभारी होइत छी। जखन हम विश्वासक गप्प करैत छी त' हमर अभिप्राय ई होइत अछि जे जखन ओ कठिनाईमे अथवा कोनो विपदामे हो त' हम ओकर सहायताक लेल प्रस्तुत रहियैक। संगहि प्रतिक्षण हम ओकर भलाईमे अभिरुचि रखियैक।

आम तरहेँ ई हो स्पष्ट रूपसँ पाओल जाइत अछि जे कियो व्यक्ति विवश तखन होइत अछि जखन ओ अपन माता-पिताक प्रति उदासीन रहैत अछि अथवा ओ अपना देशक सेनाक विरुद्ध विद्रोह करैत अछि आ अपन देशक लोककेँ अन्धाधुन मरघट धरि पहुँचबैत अछि। एहि प्रकारक लोककेँ हम अधिकांशतः अनुमोदित नहि करैत छी।

मुदा, अनेकों बेर एहन स्थिति उत्पन्न भए जाइत छैक जखन एहन निर्णय करब कठिन भए भए जाइत छैक जे के विश्वासी अछि आ के कृतघ्न। एक चतुर बच्चा अपन माता-पिताकेँ शिक्षा छोड़ि कए धन कमएवाक आग्रहक विरोध कए सकैत अछि। ओकर ई विश्वास छैक जे ओ अपन शिक्षाकेँ किछु आर वर्ष धरि चलबैत भविष्यमे अपन माता-पिताकेँ आर अधिक नीक जकाँ किछु वापस दए सकैत अछि। जँ ओ अपन शिक्षाकेँ स्थगित कए दैत अछि त' ओकर प्रतिभा विनष्ट भए जएतैक आ ओकर लाभ ककरो नहि भेट सकैत अछि।

किछु अपत्पनीय लोकेँ एहि प्रकारक निर्णय लेमय वला लड़का-लड़कीक निन्दा करताह। मुदा आमतरहेँ एहि प्रकारक बच्चा यदि कर्त्तव्यनिष्ठ एवं संवेदनशील हो त' ओकर सहायता करबाक चाही आ ओकरा प्रोत्साहितो कएल जएबाक चाही, नहि कि ओकर आलोचने कएल जएबाक चाही। दोसर दिस किछु विशिष्ट परिस्थितिमे जँ कियो बच्चा अपन गरीब माता-पिताक सहायता सम्बन्धी आग्रहकेँ ठोकरा दैत अछि त' ओकरा कृतघ्न बुझल जाइत छैक। जँ ओ भविष्यमे सफलता प्राप्त करैत अछि त ओ अपन युवावस्थाक कृतघ्नता पर प्रायश्चित करैत अछि।

कखनो काल कए ई समस्या तखन गम्भीर भए जाइत अछि जखन कोनो व्यक्तिकेँ अपन देशक सरकारसँ जोड़ि कए एहि सम्बन्धमे देखल जाइत अछि। अपना देशमे गम्भीरता आ दायित्वक निर्वहनक संग रहए वला लोकक ओ समूह, जे अपना देशकेँ प्रसन्न एवं समृद्ध देखए चाहैत अछि। कखनो कालक सरकार विरुद्ध ई सोचिकए कए विद्रोह कए दैत अछि जे ओ सरकार निकम्मा अछि। ओकरा लग ओहि सरकारकेँ खसैबाक अतिरिक्त कोनो अन्य विकल्पो नहि छैक। एहेन लोककेँ सरकार तत्काल विद्रोही आ प्रपंची घोषित कए दैत छैक। भए सकैत अछि जे ओ विद्रोही हो, मुदा ओकरा प्रपंचक कहब उचित नहि लगैत अछि। भए सकैत अछि जे ओ समूह अपन देशवासीक प्रति अधिक विश्वासी हो, संगहिं ई हो जे ओ सरकारक प्रति विश्वासी हो।

दुर्भाग्यसँ ता धरि ई कहब बहुत कठिन अछि कि ओहि समूहक विद्रोह देशक प्रति विश्वास कारणेँ प्रेरित हो अथवा ओकर निजी स्वार्थक कारणेँ। जखन कि ओ विद्रोह सफल नहि भए जाए। तखन ई प्रश्न उठैत अछि कि जा धरि विद्रोह सफल भए जाए, आ नव सरकार नहि बनाली, त' कि ओ ई स्वीकार कए लेताह जे देशक समस्त जनसंख्या आ सभ राजनीतिक शत्रुओक किछु अधिकार अवश्य छैक, जेना अपन मतक पूर्ण आजादीसँ प्रस्तुत करबाक अधिकार आ लोकप्रिय सहमति जुटएबाक प्रयत्नक अधिकार अथवा ओ समूह जे अपन शक्तिक उपयोग राजनीतिक शत्रुकेँ समाप्त करवामे कए रहल छथि। जँ ओ पहिल आचरण कए रहल छथि त' बुझू जे ओ अपन देशक प्रति पूर्ण विश्वासी छथि; नहि कि ओ अपन समूहकेँ लाभक प्रति विश्वासी छथि आ जँ ओ दोसर प्रकारक आचरण कए रहल छथि त' हमरा लोकनिकेँ ई बूझक चाही कि ओ जाहि सरकारकेँ खसा कए आयल छथि, ताहूसँ अधिक विश्वास देशक प्रति ओहो नहि कए रहल छथि। ई बोध हमरा लोकनिकेँ अत्यधिक विलम्बसँ होइत अछि।

4. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अंग्रेजीमे अनुवाद करू : 20

एकटा अमीर शेख जखन अपन जहाजमे यात्रा कए रहल छल, तखने खूब भयंकर तूफ़ान उठि गेलैक। जहाज पर एकटा दास (Slave) जे पहिने समुद्री यात्रा नहि कएने छल से डेराकए आ भयभीत भए कए जोर-जोरसँ कानए लागल। ओ कनेक काल धरि कनैत रहल ओकरा कियो चुप नहि करौलकैक। क्रोधित होइत ओ अमीर शेख बाजल—''की कियो एहिठाम नहि अछि जे एहि नीच-कायरकेँ चुप कए सकत?''

एकटा दार्शनिक सेहो ओहि जहाज पर यात्रा कए रहल छल। ओ अमीरसँ बाजल—''हम एहि आदमीकेँ चुप करा सकैत छी। महोदय, अहाँ हमरा एहि बातक अनुमति दिअ कि हम जे चाही से एकरा संग कए सकैत छी।'' अमीर बाजल—''अपनेकेँ अनुमति देल जाइत अछि, अहाँ जे चाही, करी।''

दार्शनिक किछु नाविककेँ बजौलनि आ हुनका लोकनिकेँ आदेश देलनि कि एहि गुलामकेँ समुद्रमे फेक देल जाय। नाविक लोकनि एहिना कएलनि। निरुपाय भए ओ गरीब आदमी भयवश चिकरैत अपन हाथ-पैर तेजीसँ चलाएब आरम्भ क' देलक। मुदा किछुए कालमे दार्शनिक नाविक लोकनिकेँ ई आदेश देलनि जे एहि गुलाम (दास)-केँ जहाज पर वापस आनि लेल जाय। जहाज पर अबैत देरी पस्त आ डेराएल गुलाम एकदम चुप भए गेल। अमीर एहि आकस्मिक परिवर्त्तन पर चकित भए गेल। ओ दार्शनिकसँ एकर कारण पुछलक। दार्शनिक बाजल—''हम कखनो ई नहि बुझैत छी कि हम कोन स्थितिमे ठीक-ठाक छी जखन कि हम कोनो बत्तर स्थितिमे नहि पहुँचि जाइत छी।''

5. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिलीमे करू : 20

Man has always been fascinated by dreams. He has always tried to find explanations for his dreams. Perhaps dreams tell us about the future or the past, perhaps they tell us about our deepest fears and hopes. I don't know. Today, I want to give you a completely different explanation. But before I do so, I must give you one or two facts about dreams. First of all, everybody dreams. You often hear people say, 'I never dream', when they mean, 'I can never remember my dreams'. When we dream, our eyes move rapidly in our sleep as if we were watching a moving picture, following it with our eyes. This movement is called REM, that is Rapid Eye Movement. REM sleep is the sleep that matters. Experiments have proved that if we wake people throughout the night during REM, they will feel exhausted the next day. But they won't feel tired at all if we take them at times when they are not dreaming. So the lesson is clear : it is dreaming that really refreshes us, not just sleep. We always dream more if we have had to do without sleep for any length of time.

If that is the case, how can we explain it? I think the best parallel I can draw is with computers. After all, a computer is a very primitive sort of brain. To make a computer work, we give it a programme. When it is working, we can say it is 'awake'. If ever we want to change the programme, that is to change the information we put into the computer, what do we do? Well, we have to stop the computer and put in a new programme or change the old programme.

6. *(a)* निम्नलिखित शब्दक पर्यायवाची शब्द लिखू : 2×5=10

(i) झण्डा

(ii) दुर्गा

(iii) भ्रमर

(iv) वायु

(v) पार्वती

(b) निम्नलिखित अनेक शब्दक एक शब्द लिखू : 2×5=10

(i) इन्द्रिय पर विजय प्राप्त कयनिहार

(ii) एक घर मात्र

(iii) व्याकरण शास्त्रक जाननिहार

(iv) एक-एक क्षण कय

(v) जे मोक्ष चाहय

(c) निम्नलिखित शब्दक विपरीतार्थक शब्द लिखू : 2×5=10

(i) ऐश्वर्य

(ii) वाद

(iii) घरैया

(iv) घात

(v) गुप्त

(d) निम्नलिखित शब्द-युग्ममे भेद स्पष्ट करू : 2×5=10

(i) लाश-लास

(ii) बाँझ-बाँझी

(iii) नामि-नामी

(iv) पातर-पाँतर

(v) शंकर-संकर

★★★